



# NEWSLETTER

शनिवार, 4 मार्च 2023 | वॉल्यूम - 35



होली के माहौल में दक्षिण भारत में सूती धागे के बाजार में स्थिरता का रुख

TOP 5 NEWS OF THE WEEK



GOLD : 55737  
SILVER : 64413  
CRUD OIL : 6500



## एक्सपोर्ट के लिए गुडविल जरूरी

किसी दूसरे देश के साथ व्यापार करना है तो वहां के व्यापारियों के साथ अच्छे और भरोसेमंद संबंध होना जरूरी है। एक्सपोर्ट बिजनेस में गुडविल बहुत मायने रखती है। यह कहना है सुरेश तायल का। सुरेशजी की कंपनी श्री राजराजेश्वर कॉटन प्रा. लि. जनवरी माह में भारत से सबसे ज्यादा एक्सपोर्ट करने वाली दूसरी कंपनी रही है। उनकी इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई देते हुए SIS ने उनसे खास बातचीत की।

उन्होंने बताया कि 1981 में सेंधवा में पहली जिनिंग फैक्ट्री शुरू की। वर्तमान में हमारी 6 जिनिंग यूनिट (1 सेंधवा, म. प्र. और 5 औरंगाबाद, महाराष्ट्र) है। सभी जिनिंग यूनिट मिलाकर हमारा सालाना प्रोडक्शन 1 लाख कॉटन बेल्स है। मध्यप्रदेश में मंडी टैक्स एक बहुत बड़ी समस्या है यही वजह है कि हमने बाद में शुरू की पांचों फैक्ट्री महाराष्ट्र में लगाई है।

**सुरेश तायल**  
जिनर एंड एक्सपोर्टर  
सेंधवा, मध्यप्रदेश  
श्री राजराजेश्वर कॉटन प्रा. लि.

साल 2017 से मेरे दोनों बेटों पुनीत और नमन ने एक्सपोर्ट बिजनेस में कदम रखा। उस साल हमने पूरे साल में महज 3.5 लाख डॉलर की कॉटन बेल्स का एक्सपोर्ट किया था जबकि, 2022 में हमारा हर माह का एक्सपोर्ट लगभग 8.5 मिलियन डॉलर का है। बांग्लादेश हमारा सबसे प्रमुख इम्पोर्टर देश है। हालांकि चाइना और पाकिस्तान से भी हम पहले व्यापार करते थे किंतु सरकारी नीतियों में फेरबदल के बाद से चाइना से व्यापार पूरी तरह बंद है। बांग्लादेश को लेकर लोगों को भ्रम है कि वहां चल रहे आर्थिक संकट का असर भारत के टेक्सटाइल एक्सपोर्ट बिजनेस पर हुआ है जबकि ऐसा नहीं है। दरअसल, वहां की सरकार ने कॉटन और कॉटन प्रोडक्ट को एसेंशियल प्रोडक्ट की लिस्ट में रखा हुआ है इसकी वजह से आर्थिक संकट के बावजूद भी कॉटन व्यापार पर कोई असर नहीं आया है।

बांग्लादेश से हमारे पास ज्यादातर 30 एमएम कॉटन और (डीसीएच-32) 35 एमएम कॉटन बेल्स का ऑर्डर रहता है। इसे पूरा करने के लिए हम ट्रेडिंग भी करते हैं। वर्तमान में चूंकि पूरे कपास कारोबार की ही स्थिति बड़ी विचित्र है तो उसका असर एक्सपोर्ट बिजनेस पर भी हुआ है। इस बार फसल की क्वालिटी भी अच्छी नहीं है जिसके चलते किसी खास किस्म के कॉटन की डिमांड पूरी करने में हमें समस्या आ रही है। कॉटन बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए भारत में कपास का उत्पादन बढ़ाने की दिशा में तेजी से काम होना चाहिए।

### एक्सपोर्ट बिजनेस की प्रमुख समस्या

जीएसटी को लेकर अभी भी ज्यादातर व्यापारी असमंजस की स्थिति में है। हम अपनी ट्रॉली के साथ जो डिलिवरी चालान बनाकर भेजते हैं, स्टेट बॉर्डर पर कई बार वो मान्य नहीं होते हैं।

### एक्सपोर्ट बिजनेस का लाभ

जिस देश के साथ व्यापार करना है यदि वहां पर आपके अच्छे संपर्क है तो उसका फायदा आपको मिलता है। एक्सपोर्ट का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यहां पैमेंट सिस्टम बहुत फेयर होता है। माल भेजने से पहले ही एलसी मिल जाती है और 1 से 1.5 महीने के अंदर ही पूरा पैमेंट भी रिलीज हो जाता है।

### युवाओं को सीख

जो युवा एक्सपोर्ट बिजनेस में कैरियर बनाना चाहते हैं उनसे मैं इतना ही कहूंगा कि - *it's not about earning every time, it's about learning. you have to learning more than earning. that is the actual export*

## CU INDIA निलंबित

3 मार्च, 2023 को, IOAS ने ISO/IEC 17065 (सभी स्कोप), GOTS (सभी स्कोप) और टेक्सटाइल एक्सचेंज (सभी स्कोप) के लिए CU India की मान्यता को निलंबित कर दिया और CAN/CGSB-32.312 (सभी श्रेणियों) के लिए COR के तहत निलंबन की सिफारिश की।

CU INDIA इंडिया को निलंबन हटाने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई करने के लिए आमंत्रित किया गया है। जबकि वर्तमान में निलंबन प्रभाव में हैं, उन्हें नए आवेदन स्वीकार करने की अनुमति नहीं है, नए आवेदनों के लिए कोई प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जा सकता है, और मौजूदा ऑपरेटरों को कार्यक्षेत्र का कोई विस्तार जारी नहीं किया जा सकता है।

इस मान्यता पर भरोसा करने वाले किसी भी संचालन, प्रमाणन निकायों और प्राधिकरणों को ध्यान रखने के लिए कहा गया है।



Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates.

[CLICK HERE](#)

EDITOR - RAKSHA BHAGAT JAIN  
(+91 - 74150 28064)



GET IMPORT AND EXPORT DATA OF

**CHAPTER "52" & "55"**(COTTON, COTTON WASTE,  
YARN & OTHER TEXTILE GOODS)

FOR MORE INFORMATION - +91 - 9111677775

## शेयर मार्केट निवेशकों के लिए राहतभरा रहा यह सप्ताह

### 27 फरवरी से 4 मार्च 2023 के बीच प्रमुख टेक्सटाइल शेयर्स की वेल्यू पर एक रिपोर्ट-

पिछले सप्ताह की उतार-चढ़ाव के बाद यह सप्ताह टेक्सटाइल शेयर निवेशकों के लिए राहतभरा कहा जा सकता है। इस सप्ताह लगभग सभी प्रमुख कंपनीज के शेयर्स ने पॉजीटिव मार्केट कैप हासिल किया। आइए जानते हैं बीएससी के मंच पर कैसी रही प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की इस सप्ताह की परफॉर्मेंस-

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	313.8	318.9	302.05	1.54%
अरविद लिमिटेड	83.17	84.15	77.7	5.01%
वेलसपन इंडिया	67.87	69	65.95	1.42%
नितिन स्पिनर्स	210.1	211.8	202.45	3.78%
रेमण्ड	1305.75	1332.55	1232.6	1.22%
अक्षिता कॉटन	51.31	56.95	50.05	8.46%

## एक नजर इस सप्ताह की कॉटन मार्केट की हलचल पर

### SMART INFO SERVICES

CALL : 91119 77771 - 5

WEEKLY CHART 04.03.2023

#### ICE COTTON

MONTH	24.02.23	03.03.23	WEEKLY CHANGE
MAY	84.9	84.17	-0.73
JULY	85.08	84.79	-0.29

#### MCX (BALES) CANDY

APRIL	63620	63580	-40
-------	-------	-------	-----

#### NCDEX (KAPAS)

APRIL	1603	1615	12
-------	------	------	----

#### NCDEX (COCUD KHAL)

MARCH	2626	2596	-30
APRIL	2635	2619	-16
MAY	2645	2634	-11

#### CURRENCY (\$)

INDIAN (Rupee)	82.75	81.7	-1.05
PAK (Pakistani Rupee)	260.178	275.979	15.801
CNY (Chinese yuan)	6.95583	6.90751	-0.04832
BRAZIL (Real)	5.20998	5.19587	-0.01411
AUSTRALIAN Dollar	1.48677	1.47751	-0.00926
MALAYSIAN RINGGITS	4.43499	4.47568	0.04069

COTLOOK "A" INDEX	97.35	98.4	1.05
BRAZIL COTTON INDEX	100.18	96.48	-3.7
USDA SPOT RATE	82.86	81.71	-1.15
MCX SPOT RATE	62680	62580	-100
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	19800	20000	200

GOLD (\$)	1818	1862.8	44.8
SILVER (\$)	20.747	21.385	0.638
CRUDE (\$)	76.45	79.85	3.4

इस सप्ताह कॉटन कीमतों में गिरावट दर्ज हुई है। इंटरनेशनल कॉटन एक्सचेंज पर मई और जुलाई दोनों ही माह के सौदा कीमत में कमी देखने को मिली। मई माह का साप्ताहिक अंतर 0.73 रहा और जुलाई माह के लिए गिरावट 0.29 अंक रही।

एमसीएक्स पर अप्रैल माह के लिए सप्ताह की शुरुआत में कॉटन कैंडी की कीमत 63,620 रूपए थी जो सप्ताहांत पर 40 रूपए घटकर 63,580 रूपए हो गई।

एनसीडीएक्स पर कपास के भाव में 12 रूपए की तेजी देखने को मिली। जबकि खल के भाव में गिरावट देखी गई। मार्च, अप्रैल और मई तीनों ही माह के लिए 30, 16 और 11 रूपए की कमी दर्ज की गई है।

अन्य इंटरनेशनल एक्सचेंज मार्केट में भी ज्यादातर में इस सप्ताह कॉटन के भाव में कमी आई है। केवल दो एक्सचेंज कॉटलुक ए इंडेक्स और केसीए स्पॉट रेट पर कॉटन के दाम में बढ़ोतरी देखी गई। जबकि ब्राजील कॉटन इंडेक्स, यूएसडीए स्पॉट रेट और एमसीएक्स स्पॉट रेट पर कीमतों में कमी हुई है।

# होली के माहौल में दक्षिण भारत में सूती धागे के बाजार में स्थिरता का रुख






होली का त्यौहार करीब आने के साथ ही दक्षिण भारत में सूती धागे की घरेलू मांग में कमी आई है। नतीजा, तिरुपुर में सूती धागे की कीमतों ने स्थिरता का रुख ले लिया है। दरअसल, त्यौहार पास आने के अलावा कारखानों में मजदूरों की छुट्टी भी इसका एक प्रमुख कारण रहा है। कारोबारियों के मुताबिक मार्च में मजदूरों की गैरमौजूदगी और वित्तीय बंदी ने उत्पादन गतिविधियों को धीमा कर दिया। निर्यात मांग की तुलना में घरेलू मांग कमजोर थी, लेकिन मुंबई और तिरुपुर में कीमतें स्थिर रहीं।

मुंबई में, बाजार ने डाउनस्ट्रीम उद्योग से कमजोर मांग का अनुभव किया। हालांकि, निर्यात खरीदारी थोड़ी बेहतर रही और सूती धागे की कीमतें स्थिर रहीं। मुंबई के एक व्यापारी जय किशन ने बताया, "श्रमिक होली के त्यौहार के लिए छुट्टी पर जा रहे थे, और मार्च में वित्तीय समापन ने भी उत्पादन गतिविधियों को कम कर दिया। इसलिए, स्थानीय मांग धीमी थी। हालांकि, कीमतों में कोई गिरावट नहीं आई।"

मुंबई में, ताने और बाने की किस्मों के 60 काउंट वाले सूती धागे का कारोबार क्रमशः 1,525-1,540 रुपये और 1,450-1,490 रुपये प्रति 5 किलोग्राम (जीएसटी अतिरिक्त) पर हुआ। 80 काउंट वाले (बाने) सूती धागे की कीमत 1,440-1,480 रुपये प्रति 4.5 किलोग्राम थी। 44/46 काउंट कार्डेड कॉटन यार्न (वार्प) की कीमत 280-285 रुपये प्रति किलोग्राम थी। 40/41 काउंट कार्डेड कॉटन यार्न (ताना) 260-268 रुपये प्रति किलोग्राम और 40/41 काउंट कॉम्बेड यार्न (वार्प) की कीमत 290-303 रुपये प्रति किलोग्राम थी।

इस बीच, तिरुपुर बाजार में भी कीमतें स्थिर रहीं। व्यापार सूर्त्रों ने कहा कि मांग औसत थी, जो मौजूदा मूल्य स्तर को सहारा दे सकती है। तमिलनाडु में स्थित मिलें 70-80 प्रतिशत उत्पादन क्षमता पर चल रही थीं। बाजार को अगले महीने समर्थन मिल सकता है जब उद्योग अगले वित्तीय वर्ष में अपने उत्पादन का नवीनीकरण करेगा। तिरुपुर बाजार में, 30 काउंट कॉम्बेड कॉटन यार्न का कारोबार ₹280-285 प्रति किलोग्राम (जीएसटी अतिरिक्त), 34 काउंट कॉम्बेड का ₹292-297 प्रति किग्रा और 40 काउंट कॉम्बेड कॉटन यार्न 308-312 प्रति किग्रा पर कारोबार कर रहा था।

गुजरात में, पिछले सत्र में मामूली बढ़त के बाद कपास की कीमतों में फिर से गिरावट आई। कारोबारी सूर्त्रों ने कहा कि सूत कातने वाले कपास खरीद रहे थे, लेकिन वे कीमतों को लेकर काफी सतर्क थे। मिलें सस्ते सौदे हड़पने की कोशिश कर रही थीं। भारत में कपास की प्रति दिन आवक लगभग 1.58 लाख गांठ (170 किलोग्राम) होने का अनुमान लगाया गया था, जबकि गुजरात के बाजार में 37,000 गांठ की आवक दर्ज की गई थी। कीमतें 62,500 रुपये से 63,000 रुपये प्रति कैंडी 356 किलोग्राम के बीच मँडरा रही थीं।

The Central Organisation For Oil Industry & Trade

आज़ादी का अमृत महोत्सव


Mustard Oil Producers Association of India

R A J A S T H A N

## पधारो म्हारे देश


# 43<sup>rd</sup>

### ALL INDIA RABI SEMINAR ON OIL SEEDS, OIL TRADE & INDUSTRY



11th March, 2023  
**HOTEL CLARKS AMER**  
J.L.N. Marg, Jaipur

12th March, 2023  
**BIRLA AUDITORIUM**  
Statue Circle, Jaipur



Mustard Oil Producers Association of India

### Mustard Oil Producers Association of India

<b>BABU LAL DATA</b> President 9829099922	<b>K.K. AGARWAL</b> Secretary 9414023541	<b>PARAS JAIN</b> Treasurer 9610232000	<b>ANIL CHATAR</b> Jt. Secretary 9829015721
---	--	--	---

**Office :** Data Infosys : Durgapura Station Road, Jaipur - 18 Rajasthan (INDIA)  
Fax: +91-141-2554972 • website : www.info@mopaindia.org • E-mail : info@mopaindia.org

**Seminar Office :** B-6, Anaj Mandi, Chandpole, Jaipur - 302001  
Mob. : +91 6377714501 • E-mail : mopa.jaipur@gmail.com

# TOP 5 NEWS OF THE WEEK

## पाकिस्तान में कपास की आवक में साल-दर-साल 34.5 प्रतिशत की कमी

पाकिस्तान कॉटन जिनर्स एसोसिएशन (पीसीजीए) की रिपोर्ट के अनुसार, 1 मार्च तक पाकिस्तान में कपास की कुल आवक घटकर 4.875 मिलियन गांठ रह गई, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 7.442 मिलियन गांठ थी।

## बांग्लादेश ने अमेरिकी कपास के आयात के लिए फ्यूमीगेशन रूल में दी छूट

बांग्लादेश के वाणिज्य मंत्रालय ने हाल ही में घरेलू बंदरगाहों पर संयुक्त राज्य अमेरिका से आयातित कपास की फ्यूमीगेशन की अनिवार्य आवश्यकता को शिथिल करते हुए एक अधिसूचना जारी की।

## तिरुपुर में स्पिनिंग मिल्स पूरे दिन चलना हुई शुरू, अच्छे निर्यात से नितवेयर इंडस्ट्री में लौटी उम्मीद

तमिलनाडु में भारत का नितवेयर हब तिरुपुर पुनरुद्धार की राह पर है, निर्यातकों ने अपनी गति को जारी रखने के लिए जनवरी में दर्ज की गई सकारात्मक वृद्धि पर उम्मीद जताई है।

## विदर्भ किसानों के लिए खुशखबरी, कपास की फसल बनी सफेद सोना

पिछले कुछ दिनों से कपास की कीमत में लगातार गिरावट देखने को मिली है, लेकिन 2 मार्च को विदर्भ के अकोट की कृषि उपज मंडी समिति में तेजी आई जो सप्ताहअंत तक भी बरकरार है।

## कपास की कीमतों में नरमी से कपड़ा कंपनियों के पक्ष में रुख: विश्लेषक

विश्लेषकों को उम्मीद है कि कपास की कीमतें पिछले साल के उच्चतम स्तर 50,530 रुपये प्रति गांठ से 41 प्रतिशत घटकर 29,910 रुपये प्रति गांठ रह जाएंगी।

## कॉटन फिजिकल मार्केट में नार्थ और सेंट्रल झोन में बढ़ोतरी का रुख

बीते सप्ताह मंडियों में कपास की आवक में बढ़ोतरी देखने को मिली। फिजिकल मार्केट में कॉटन के भाव में भी इजाफा दर्ज किया गया। खासकर नार्थ और सेंट्रल झोन में भाव में बढ़ोतरी का रुख रहा। पंजाब और हरियाणा में 50 रूपए प्रति मंड तक कीमतें बढ़ी है। जबकि अपर राजस्थान में भाव ज्यों के त्यों ही रहे है।

सेंट्रल झोन की बात करें तो मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र दोनों ही जगह कॉटन के भाव सप्ताहअंत पर भी वही रहे जो सप्ताह की शुरुआत में थे। लेकिन गुजरात में कॉटन भाव में 500 रूपए प्रति कैंडी तक की बढ़त देखने को मिली है।

साउथ झोन में कॉटन के भाव में कमी देखी गई। केवल कर्नाटका ऐसा राज्य रहा जहां कीमतों में कोई अंतर नहीं आया। जबकि उड़िसा, आंध्रप्रदेश और तेलंगाना तीनों ही जगह पर भाव 200 से 300 रूपए प्रति कैंडी तक घटे है।

STATE		STAPLE LENGTH		27.02.23		04.03.23		AVERAGE PRICE
				LOW	HIGH	LOW	HIGH	
<b>NORTH ZONE</b>								
PUNJAB	28.5	6,250	6,350	6,350	6,400			50
HARYANA	27.5/28	6,275	6,375	6,300	6,400			25
UPER RAJASTHAN	28	6,460	6,575	6,500	6,575			0
<b>CENTRAL ZONE</b>								
GUJARAT	29	62,400	62,800	62,400	63,300			500
MADHYA PRADESH	29	61,800	62,200	61,700	62,200			0
MAHARASHTRA	29 vid.	62,500	62,500	62,000	62,500			0
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775								
<b>SOUTH ZONE</b>								
ODISHA	29.5+	63,300	63,400	63,100	63,200			-200
KARNATAKA	29.5/30 mm	61,500	62,000	61,500	62,000			0
ANDHRA PRADESH	29/29.5 mm	62,500	63,000	62,200	62,800			-200
TELANGANA	30 mm 76/77 RD	62,200	62,800	61,800	62,500			-300
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.								
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy								



# NEWSLETTER

Saturday, March 4, 2023 | Vol.- 35



**Stability trend in the cotton yarn market in South India in the atmosphere of Holi**

**TOP 5 NEWS OF THE WEEK**



**GOLD : 55737  
SILVER : 64413  
CRUD OIL : 6500**

## GOODWILL REQUIRED FOR EXPORT



*If you want to do business with any other country, then it is necessary to have good and trust-worthy relations with the traders there. Goodwill matters a lot in export business. This is to say of Suresh Tayal. Sureshji's company Shree Rajarajeshwar Cotton Pvt. Ltd. It has been the second largest exporting company from India in the month of January. Congratulating him on his achievement, SIS had a special conversation with him.*

He told that in 1981 the first ginning factory was started in Sendhwa. At present we have 6 ginning units (1 at Sendhwa, M.P. and 5 at Aurangabad, Maharashtra). Our annual production of all the ginning units together is 1 lakh cotton bales. Mandi tax is a big problem in Madhya Pradesh, that is why we have set up all the five factories we started later in Maharashtra.

**Suresh Tayal**  
Ginner And Exporter  
Sendhwa, Madhya Pradesh  
Shree Rajarajeshwar Cotton Pvt. Ltd.

From the year 2017, both my sons Puneet and Naman ventured into the export business. That year, we exported cotton bales worth just \$3.5 lakh dollar in the entire year, whereas, in 2022, our monthly exports are about \$8.5 million. Bangladesh is our main importer country. Although we used to do business with China and Pakistan earlier, but after the change in government policies, trade with China is completely closed. People have a misconception about Bangladesh that the economic crisis going on there has affected India's textile export business whereas it is not so. In fact, the government there has kept cotton and cotton products in the list of essential products, due to which the cotton trade has not been affected despite the economic crisis.



**Naman Tayal**

We mostly order 30mm cotton and (DCH-32) 35mm cotton bales from Bangladesh. To accomplish this, we also do trading. At present, since the condition of the entire cotton business is very strange, it has also affected the export business. This time the quality of the crop is also not good due to which we are facing problem in meeting the demand of a particular type of cotton. In order to take the cotton business forward, rapid work should be done to increase the production of cotton in India.



**Puneet Tayal**

### Main Problem of Export Business

Most of the traders are still in a state of confusion regarding GST. The delivery challans that we send along with our trolleys are sometimes not accepted at the state border.

### Benefits of Export Business

If you have good contacts with the country with which you want to do business, then you get the benefit of that. The biggest advantage of exports is that the payment system here is very fair. LC is received even before dispatch of goods and full payment is also released within 1 to 1.5 months

### Learning For Youth

To those youth who want to make a career in export business, I would like to say that - it's not about earning every time, it's about learning. you have to learn more than earning. that is the actual export.

## CU INDIA SUSPENDED

On March 3, 2023, IOAS suspended the accreditation of CU India for ISO/IEC 17065 (all scopes), GOTS (all scopes) and Textile Exchange (all scopes) and CAN/CGSB-32.312 (all ranges) recommended suspension under COR for

CU INDIA India has been invited to take corrective action to lift the suspension. While the suspensions are currently in effect, they are not allowed to accept new applications, no certificates can be issued for new applications, and no extensions of scope can be issued to existing operators.

Any operations, certification bodies and authorities that rely on this accreditation are asked to take care.



Download Our App **"SIS CONNECT"** For Daily Updates.

[CLICK HERE](#)

EDITOR - RAKSHA BHAGAT JAIN  
(+91 - 74150 28064)



GET IMPORT AND EXPORT DATA OF

**CHAPTER "52" & "55"**(COTTON, COTTON WASTE,  
YARN & OTHER TEXTILE GOODS)

FOR MORE INFORMATION - +91 - 9111677775

## This week was a relief for stock market investors

### A report on the value of major textile stocks between February 27 and March 4, 2023-

After last week's ups and downs, this week can be called a relief for textile stock investors. Shares of almost all major companies achieved positive market cap this week. Let's know how was the performance of major textile companies this week on the stage of BSE-

COMPANY	CURRENT PRICE	HIGH PRICE	LOWEST PRICE	CHANGE IN %
Vardhaman Textile Limited	313.8	318.9	302.05	1.54%
Arvid Limited	83.17	84.15	77.7	5.01%
Welspun India	67.87	69	65.95	1.42%
Nitin Spinners	210.1	211.8	202.45	3.78%
raymond	1305.75	1332.55	1232.6	1.22%
Akshita Cotton	51.31	56.95	50.05	8.46%

## A look at this week's movement in the cotton market

**SMART INFO SERVICES**  
**CALL : 91119 77771 - 5**  
**WEEKLY CHART 04.03.2023**

### ICE COTTON

MONTH	24.02.23	03.03.23	WEEKLY CHANGE
MAY	84.9	84.17	-0.73
JULY	85.08	84.79	-0.29

### MCX (BALES) CANDY

APRIL	63620	63580	-40
-------	-------	-------	-----

### NCDEX (KAPAS)

APRIL	1603	1615	12
-------	------	------	----

### NCDEX ( COCUD KHAL)

MARCH	2626	2596	-30
APRIL	2635	2619	-16
MAY	2645	2634	-11

### CURRENCY (\$)

INDIAN (Rupee)	82.75	81.7	-1.05
PAK (Pakistani Rupee)	260.178	275.979	15.801
CNY (Chinese yuan)	6.95583	6.90751	-0.04832
BRAZIL (Real)	5.20998	5.19587	-0.01411
AUSTRALIAN Dollar	1.48677	1.47751	-0.00926
MALAYSIAN RINGGITS	4.43499	4.47568	0.04069

COTLOOK "A" INDEX	97.35	98.4	1.05
BRAZIL COTTON INDEX	100.18	96.48	-3.7
USDA SPOT RATE	82.86	81.71	-1.15
MCX SPOT RATE	62680	62580	-100
KCA SPOT RATE (PAKISTAN)	19800	20000	200

GOLD (\$)	1818	1862.8	44.8
SILVER (\$)	20.747	21.385	0.638
CRUDE (\$)	76.45	79.85	3.4

Cotton prices have registered a decline this week. There was a decrease in the deal price of both the months of May and July on the International Cotton Exchange. The weekly difference for the month of May was 0.73 and for the month of July the fall was 0.29 points.

On MCX, Cotton Candy for the month of April opened the week at Rs.63,620 and declined by Rs.40 to Rs.63,580 at the end of the week.

The price of cotton on NCDEX saw a gain of Rs 12. While a decline was seen in the price of khal. A shortfall of Rs 30, 16 and 11 has been registered for all the three months of March, April and May.

Most of the other international exchange markets also saw a decline in cotton prices this week. Only two exchanges, Cotlook A Index and KCA spot rate saw an increase in cotton prices. While the prices on Brazil Cotton Index, USDA spot rate and MCX spot rate have decreased.

## Stability trend in the cotton yarn market in South India in the atmosphere of Holi






With the Holi festival round the corner, domestic demand for cotton yarn has come down in South India. As a result, cotton yarn prices in Tiruppur have taken a stable trend. Actually, apart from the coming of the festival, the holiday of the workers in the factories has also been a major reason for this. According to traders, the absence of laborers and the financial closure slowed down production activities in March. Domestic demand was weak as compared to export demand, but prices held steady at Mumbai and Tiruppur.

In Mumbai, the market experienced weak demand from the downstream industry. However, export buying turned marginally better and cotton yarn prices held steady. Jai Kishan, a Mumbai-based trader, said, "Workers were going on leave for the Holi festival, and the financial closure in March also curtailed production activities. Hence, local demand was slow. However, there was no drop in prices." I."

In Mumbai, cotton yarn of 60 count of warp and weft varieties traded at Rs 1,525-1,540 and Rs 1,450-1,490 per 5 kg (GST extra), respectively. Cotton yarn of 80 cards (weft) was priced at Rs 1,440-1,480 per 4.5 kg. The price of 44/46 count carded cotton yarn (warp) was ruling at Rs 280-285 per kg. 40/41 count carded cotton yarn (warp) was trading at Rs 260-268 per kg and 40/41 count combed yarn (warp) was trading at Rs 290-303 per kg.

Meanwhile, prices remained stable in Tiruppur market as well. Trade sources said demand was moderate, which may support the current price level. Mills located in Tamil Nadu were running at 70-80 per cent production capacity. The market may get support next month when the industry renews its production in the next financial year. In the Tiruppur market, 30 count combed cotton yarn was trading at ₹280-285 per kg (GST extra), 34 count combed at ₹292-297 per kg and 40 count combed cotton yarn at ₹308-312 per kg.

In Gujarat, cotton prices declined again after a marginal gain in the previous session. Trade sources said spinners were buying cotton, but they were cautious about prices. The mills were trying to grab cheap deals. Cotton arrivals in India were estimated to be around 1.58 lakh bales (170 kg) per day, while 37,000 bales were recorded in the Gujarat market. The prices were hovering between Rs 62,500 to Rs 63,000 per candy of 356 kg.

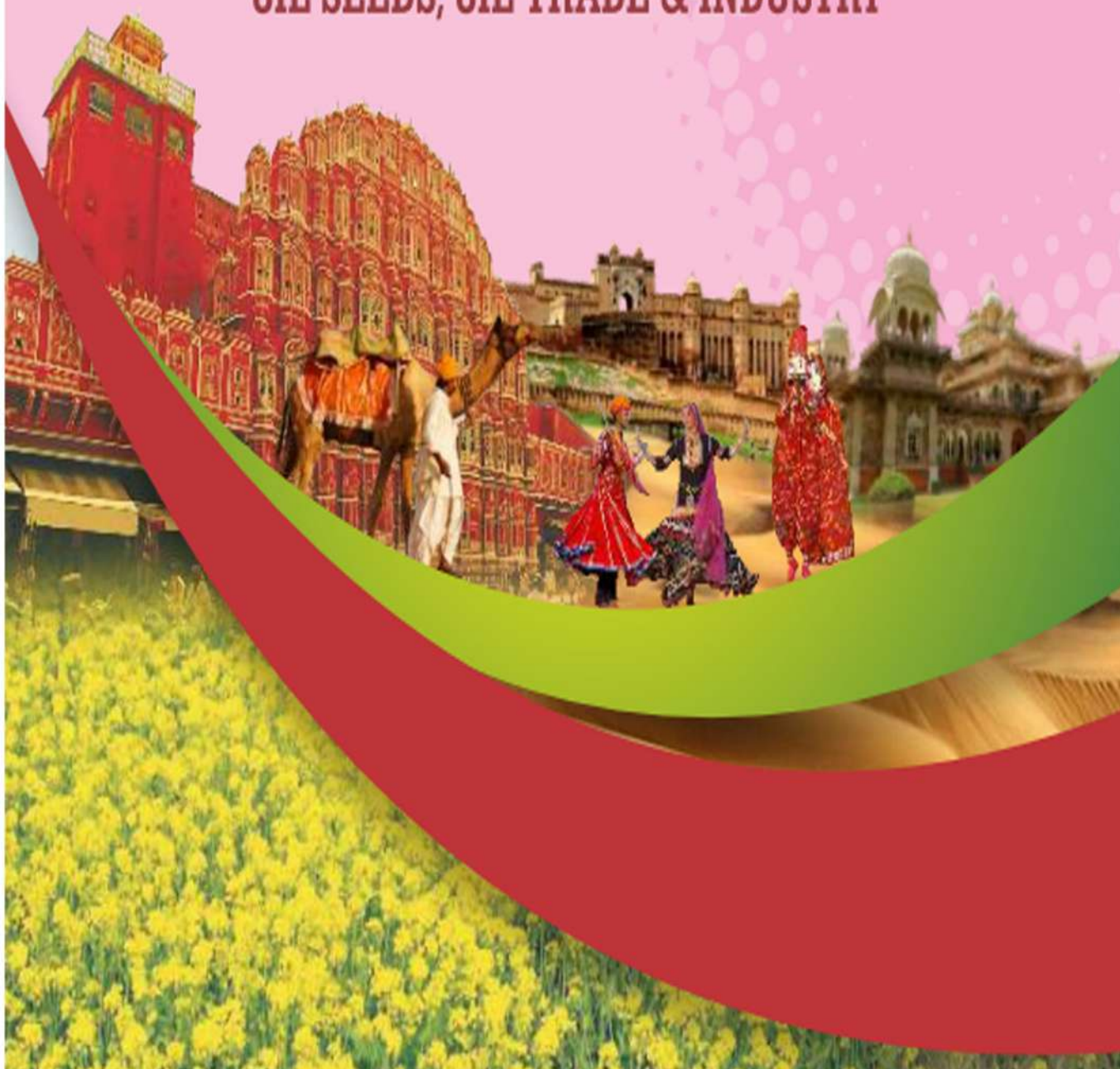




R A J A S T H A N

# पधारो म्हारे देश


## 43<sup>rd</sup>

### ALL INDIA RABI SEMINAR ON OIL SEEDS, OIL TRADE & INDUSTRY



11th March, 2023  
**HOTEL CLARKS AMER**  
J.L.N. Marg, Jaipur

12th March, 2023  
**BIRLA AUDITORIUM**  
Statue Circle, Jaipur



Mustard Oil Producers Association of India

### Mustard Oil Producers Association of India

<b>BABU LAL DATA</b> President 9829099922	<b>K.K. AGARWAL</b> Secretary 9414023541	<b>PARAS JAIN</b> Treasurer 9610232000	<b>ANIL CHATAR</b> Jt. Secretary 9829015721
---	--	--	---

Office : Data Infosys : Durgapura Station Road, Jaipur - 18 Rajasthan (INDIA)  
Fax: +91-141-2554972 • website : [www.info@mopaindia.org](http://www.info@mopaindia.org) • E-mail : [info@mopaindia.org](mailto:info@mopaindia.org)

Seminar Office : B-6, Anaj Mandi, Chandpole, Jaipur - 302001  
Mob. : +91 6377714501 • E-mail : [mopa.jaipur@gmail.com](mailto:mopa.jaipur@gmail.com)

# TOP 5 NEWS OF THE WEEK

## Year-on-year decrease of 34.5 percent in cotton arrivals in Pakistan

According to the report of Pakistan Cotton Ginners Association (PCGA), the total cotton arrivals in Pakistan decreased to 4.875 million bales as of March 1, as against 7.442 million bales in the same period last year.

## Bangladesh exempts fumigation rule for import of American cotton

Bangladesh's Ministry of Commerce recently issued a notification relaxing the mandatory requirement of fumigation of cotton imported from the United States at domestic ports.

## Spinning mills in Tiruppur started running for the whole day, hope returned to the knit-wear industry due to good exports

India's knitwear hub Tiruppur in Tamil Nadu is on the path of revival, with exporters pinning hopes on the positive growth recorded in January to continue their momentum.

## Good news for Vidarbha farmers, cotton crop has become white gold

There has been a continuous decline in the price of cotton for the last few days, but on March 2, there was a spurt in the Agricultural Produce Market Committee of Vidarbha's Akot, which is still intact till the weekend.

## Soft cotton prices favor textile companies: Analyst

Analysts expect cotton prices to decline by 41 per cent to Rs 29,910 per bale from last year's high of Rs 50,530 per bale.

### Growth trend in cotton physical market in north and central zone

Last week, there was an increase in the arrival of cotton in the mandis. Cotton prices also registered an increase in the physical market. There was an upward trend in prices, especially in the North and Central zones. The prices have increased up to Rs 50 per mand in Punjab and Haryana. Whereas in Upper Rajasthan, the prices remained the same.

Talking about the central zone, cotton prices in both Madhya Pradesh and Maharashtra remained the same at the end of the week as they were at the beginning of the week. But in Gujarat cotton price has seen an increase of up to Rs 500 per candy.

Cotton prices decreased in South Zone. Karnataka was the only state where there was no difference in prices. Whereas in Odisha, Andhra Pradesh and Telangana, the prices have decreased by Rs.200 to Rs.300 per candy at all the three places.

STATE		27.02.23		04.03.23		AVERAGE PRICE
STAPLE LENGTH		LOW	HIGH	LOW	HIGH	
<b>NORTH ZONE</b>						
PUNJAB	28.5	6,250	6,350	6,350	6,400	50
HARYANA	27.5/28	6,275	6,375	6,300	6,400	25
UPPER RAJASTHAN	28	6,460	6,575	6,500	6,575	0
<b>CENTRAL ZONE</b>						
GUJARAT	29	62,400	62,800	62,400	63,300	500
MADHYA PRADESH	29	61,800	62,200	61,700	62,200	0
MAHARASHTRA	29 vid.	62,500	62,500	62,000	62,500	0
SMART INFO SERVICES CALL : 91119 77775						
<b>SOUTH ZONE</b>						
ODISHA	29.5+	63,300	63,400	63,100	63,200	-200
KARNATAKA	29.5/30 mm	61,500	62,000	61,500	62,000	0
ANDHRA PRADESH	29/29.5 mm	62,500	63,000	62,200	62,800	-200
TELANGANA	30 mm 76/77 RD	62,200	62,800	61,800	62,500	-300
NOTE : There may be some changes in the rate depending on the quality.						
Punjab, Haryana and Rajasthan rates in maund the rest in Candy						



**SMART INFO SERVICES**

india.smartinfo@gmail.com

Call : 91119 77771 - 5

DATE: 04.03.2023

### WEEKLY COTTON BALES MARKET